B.L.D.E. Association's

S. B. Arts & K.C.P. Science College, VIJAYAPUR- 586 103.

ASSIGNMENT

For B.A./ B.Sc. I^st Semester

2018 - 2019

Name of the Student Rakesh. R. Biradar.

Roll No. 423 R.C.U. Seat No. S1824957

Subject Hindi

Assignment No.	Date	Marks Assigned	Marks Obtained	Name and Signature of Teacher	Remarks
1	8/3/19.	03	03	Dr. S. T. Pawar	
2					
3					
4					

Scanned by CamScanner

सर्वनाम

सर्वनाम : जो शब्द संज्ञा के स्थान प्रयुक्त किये जाते है उसको सर्वनाम कहते है।

जैसे : मैं, हम, तुम, वह, आप, वे, तो आदी सर्वनाम है।

सर्वनाम के भेद :-

1) पुरुषवाचक सर्वनाम : जो शब्द बोलनेवाले (उत्तम पुरुष) सुनने वाला (मध्यम पुरुष) तथा जिसकी बात की बात की जा रही है (अन्य पुरुष) को शोध कराते है उन्हे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते है।

जैसे : मैंने तुम्हे कहा था की वह बाजार गयी है। इस वाक्य मे मैंने का प्रयोग बोलने वाला, तुम्हे का प्रयोग सुननेवाला, तथा वह था प्रयोग अन्य का, जिसके बारे मे बताया गया ये सभी पुरुषवाचक सर्वनाम है।

2) निश्चयवाचक सर्वनाम :- जो सर्वनाम शब्द किसी व्यक्ती अथवा वस्तु की ओर निश्चयपूर्ण संकेत करते है उन्हे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।

जैसे यह, वह, ये, वे आदी।

Scanned by CamScanner

परिस्थितियों की दबाव के कारण नील मायों से अपनी फसल की फसल की रक्षा भी न कर सका। अतः कहानी कार ने किसान की विवशता के लिए जिम्मेदारी शक्तियों के प्रती व्यंग्य किया है।

→ लिखावट को सुधारें।
→ व्याकरणिक अशुद्धियाँ को सुधारे